

भारत व भारत के मित्र राष्ट्रों में अविश्वास व कंफ्यूजन फैलाना चाह रहे हैं ट्रंप

-अंजन राॅय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। डॉनल्ड ट्रम्प ने भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को लेकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। उनका दावा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें टेलीफोन पर आश्वासन दिया कि भारत जल्द ही रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा।

यूक्रेन में रूस के युद्ध पर नियंत्रण पाने में असमर्थ और रूस को घेरने की अमेरिकी कूटनीतिक कोशिशों के पूरी तरह विफल होने के बाद, ट्रम्प अब अविश्वास और भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कारण भारत के रुख में आये बदलाव के बारे में अचानक बयानबाजी हो रही है।

ट्रम्प का कहना है कि मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत के लिए रूसी तेल व्यापार को रोकना केवल एक प्रक्रिया है, जिसमें समय लगता है। भारत ने ट्रंप के दावों पर बहुत सावधानी से प्रतिक्रिया दी है और प्रधानमंत्री की ओर से ऐसी किसी भी संभावना या आश्वासन को पूर्ण रूप से खारिज कर दिया है।

विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर ट्रम्प के

इसके लिए ट्रंप ने माध्यम बनाया है, भारत द्वारा रूस से पेट्रोलियम की खरीद को

- ट्रंप ने कहा कि मोदी ने टेलीफोन करके उन्हें विश्वास दिलाया है कि वे रूस से तेल खरीदना बंद कर रहे हैं, बंद करने की प्रक्रिया में कुछ समय लग रहा है।
- इसलिए विलंब तो हो रहा है, किन्तु अंततोगत्वा खरीदी बंद हो जाएगी।
- भारत ने तुरंत ट्रंप के इस दावे को खारिज किया कि मोदी ने कोई ऐसा आश्वासन ट्रंप को दिया है।
- रूस ने भी वक्तव्य दिया कि वह कभी भी अपने खरीददार की एनर्जी परचेज़ में दखल नहीं देता है।
- रूस ने यह भी कहा कि, भारत और रूस के रिश्ते आपसी सहयोग की नींव पर बने हैं, रूस का तेल भारत के हित में था, जब तेल का अंतर्राष्ट्रीय मार्केट अस्त-व्यस्त हो रहा था।

बयानों को गलत बताया और स्पष्ट किया कि भारत की तेल खरीद केवल एक उद्देश्य से प्रेरित है, अपने नागरिकों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और भविष्य में भी मार्गदर्शक सिद्धांत यही रहेगा।

मंत्रालय ने यह भी कहा कि ऊर्जा

उत्पादों की स्थिर कीमतें बनाए रखना और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना भारत की ऊर्जा नीति के दो प्रमुख उद्देश्य हैं। भारत ऊर्जा स्रोतों में विविधता ला रहा है और अन्य देशों के साथ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ा रहा है।

मामले ने तब और तूल पकड़ा, जब

ट्रम्प ने कुछ अनौपचारिक बातचीत में दावा किया कि उन्होंने मोदी से फ़ोन पर बात की थी और तभी भारत की ओर से यह आश्वासन दिया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी उनके विश्वसनीय मित्र हैं और वो ट्रम्प से प्यार करते हैं।

(श्रेष अंतिम पृष्ठ पर)

गुजरात में आज मंत्रिमंडल फेरबदल

गांधीनगर, 16 अक्टूबर। गुजरात की राजनीति से बड़ी खबर सामने आ रही है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को छोड़कर राज्य में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है। सरकार के कुल 16 मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है। ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि गुजरात में भाजपा सरकार कैबिनेट का विस्तार करने जा रही है। सामने आई जानकारी

- गुरुवार को गुजरात सरकार के सभी 16 मंत्रियों ने इस्तीफा दिया।

के मुताबिक, शुक्रवार को दोपहर 12 बजकर 39 मिनट पर गुजरात सरकार के नए मंत्रिमंडल का शपथ समारोह का आयोजन होगा।

इस फेरबदल को राज्य में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी से जोड़ा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक मंत्रिमंडल में नए चेहरे शामिल किए जा सकते हैं, 2 उप मुख्यमंत्री भी बनाए जा सकते हैं।

जानकारी के मुताबिक, गुजरात की भाजपा सरकार के कैबिनेट विस्तार में

(श्रेष अंतिम पृष्ठ पर)

5 साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या, आरोपियों को फांसी

आगरा, 16 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश में आगरा जिले की एक विशेष अदालत ने पांच साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में दो अभियुक्तों को फांसी की सजा सुनायी है।

विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सोनिका चौधरी ने 18 गवाह और कई बार की हुई बहस के बाद गुरुवार को यह फैसला सुनाया है। घटना 18 मार्च 2024 को थाना बाह इलाके की है।

- घटना 18 मार्च की है। पॉक्सो कोर्ट में 18 गवाहों के बयानों व कई बहसों के बाद जज सोनिका चौधरी ने आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई।

दोनों आरोपियों ने पांच साल की बच्ची का पहले अपहरण किया, उसके बाद दुष्कर्म करके हत्या की थी। सजा सुनाये जाने के बाद दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता सुभाष गिरी ने बताया कि दोपहर तीन बजे बच्ची रास्ते में खेल रही थी, तभी

दोनों आरोपी अमित और निखिल मोटर साइकिल से आए और बच्ची को उठा ले गए। दोनों ने नहर किनारे ले जाकर बच्ची से दुष्कर्म किया और हत्या करके शव को सरसों के खेत में फेंक दिया।

(श्रेष अंतिम पृष्ठ पर)

विकासशील इंसान पार्टी के साथ बहुत बुरी हुई, महागठबंधन के बंटवारे में

पार्टी ने साठ सीटों की माँग की थी व अपने नेता के लिए मंत्री पद

- उन्होंने स्वयं अपनी माँग घटाकर चालीस की और फिर तीस और फिर तेजस्वी यादव ने पंद्रह सीट का ऑफर दिया।
- पर शर्त यह रखी कि पंद्रह में से नौ सीटों के उम्मीदवार आरजेडी ही तय करेगी।
- तिरस्कृत विकासशील इंसान पार्टी के नेता सहनी ने महागठबंधन से नाता तोड़ने का ऐलान करने के लिए प्रैस कॉन्फ्रेंस बुलाई।
- पर, हर बार महागठबंधन के किसी न किसी बड़े नेता ने हस्तक्षेप करके घोषणा टलवाई और अंत में सहनी लटकते ही रह गए।

गांधी के साथ बैठक की जा सके। कांग्रेस ने भी केन्द्रीय चुनाव समिति की एक आपात बैठक बुलाई।

एनडीए की ही तरह, महागठबंधन भी कागज़ों पर तो एकजुट है, लेकिन सहयोगी दल आपस में कई सीटों को लेकर टकराव की स्थिति में है। उदाहरण के लिए, कांग्रेस और सीपीआई (एमएल) दोनों ने एक ही सीट पर

अपने-अपने उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए हैं। दरभंगा की जाले सीट और सीमांचल क्षेत्र की कई अन्य सीटों पर आरजेडी और कांग्रेस के बीच मतभेद बने हुए हैं।

सबसे खराब स्थिति मुकेश सहनी के हिस्से में आई है। उन्होंने सीट बंटवारे की बातचीत की शुरुआत ऊँचे स्तर में

(श्रेष अंतिम पृष्ठ पर)

दस में से सात अमेरिकी मानते हैं कि अमेरिका में उच्च शिक्षा गलत दिशा में जा रही है

इन लोगों का मानना है कि उच्च शिक्षा बहुत महँगी है, बहुत कट्टर विचारधारा पनपाती है और विद्यार्थियों को असली दुनिया में सफलता पाने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं करती

- दोनो मुख्यधारा की पार्टियाँ, डेमोक्रेट और रिपब्लिकन, इस बारे में एकमत हैं कि उच्च शिक्षा की दशा व दिशा बदलनी चाहिए।
- पर इन दोनों पार्टियों के नेताओं में भारी मतभेद है कि यह खराब स्थिति कब और किन कारणों से पैदा हुई है।

बीच 3,445 अमेरिकी वयस्कों पर किए गए एक सर्वेक्षण पर आधारित ये निष्कर्ष “द्विदलीय सहमति” एक दुर्लभ बिन्दू देखने को मिला यह था मोहभंग। उम्र, आय और राजनीतिक पहचान से परे, अधिकांश अमेरिकियों का मानना है कि देश की उच्च शिक्षा प्रणाली में कुछ बुनियादी खामियाँ हैं। हालाँकि, इस साझा असंतोष के कारण राजनीतिक दृष्टिकोण के अनुसार अलग-अलग हैं।

सर्वेक्षण का समय भी राजनीतिक

रूप से अहम है। हाल ही में ट्रम्प प्रशासन ने विश्वविद्यालयों पर निगरानी कड़ी करने के कदम उठाए हैं – नौ संस्थानों से यह अपेक्षा करते हुए कि वे संघीय फंड्स तक विशेष पहुँच के बदले कुछ नीतिगत बदलाव करें। इस प्रस्ताव ने शिक्षा जगत में सरकारी हस्तक्षेप को लेकर बहस छेड़ दी है।

अमेरिकियों की असंतुष्टि लगभग हर पहलू में झलकती है। लगभग 79 प्रतिशत उत्तरदाताओं का कहना है कि

कॉलेज और विश्वविद्यालय टयूयूशन फीस को किफायती बनाए रखने में “सामान्य या खराब” प्रदर्शन कर रहे हैं – जो छात्रों और परिवारों के लिए सबसे बड़ी चिंता है। कॉलेज में पढ़ाई की औसत वार्षिक लागत अब 30,000 से अधिक हो चुकी है, जिससे बहुत से लोग खुद को उस सीढ़ी से बाहर महसूस कर रहे हैं जो कभी आर्थिक उन्नति का सबसे सुनिश्चित रास्ता मानी जाती थी।

खर्च वहन करने से आगे, अब विश्वविद्यालयों के “मूल उद्देश्य” पर भी सवाल उठ रहे हैं। आधे से अधिक वयस्कों (55 प्रतिशत) का मानना है कि कॉलेज छात्रों को अच्छी नौकरियों के लिए तैयार करने में कमजोर हैं, जबकि 52 प्रतिशत कहते हैं कि वे ज़रूरतमंद छात्रों को पर्याप्त आर्थिक

(श्रेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में कांग्रेस की पहली लिस्ट घोषित

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए कांग्रेस ने गुरुवार को अपनी पहली सूची जारी की है, जिसमें कुल 48 उम्मीदवारों के नाम जारी किए गए हैं।

- पहली लिस्ट में 48 उम्मीदवारों के नाम दिए गए हैं।

पहले चरण के लिए 21 उम्मीदवारों और दूसरे चरण के लिए 27 उम्मीदवारों की घोषणा की गई है। पर अभी सीट शेयरिंग का ऐलान नहीं हुआ है। इस लिस्ट में पार्टी ने बिहार के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, वरिष्ठ नेता शकील अहमद खान, अजीत कुमार शर्मा जैसे बड़े नाम शामिल हैं। कांग्रेस नेखगड़िया से मौजूदा विधायक का टिकट काट कर चंदन यादव को टिकट दिया है। सूची में कई अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) सीटों के लिए भी उम्मीदवारों की घोषणा की गई है।

केरल में सिर्फ दो घंटे पटाखे चलने की अनुमति

तिरुवनंतपुरम, 16 अक्टूबर। केरल में आगामी दिवाली पर सिर्फ दो घंटे हरित पटाखों का इस्तेमाल करने की अनुमति दी गयी है।

केरल के गृह विभाग ने दिवाली के दौरान पटाखों और संबंधित विस्फोटकों

- केरल के गृह मंत्रालय ने कहा दो घंटे में भी सिर्फ ग्रीन पटाखे ही चलाए जा सकते हैं।

के उपयोग के संबंध में नैशनल ग्रीन ट्राइब्यूनल (एनजीटी) के आदेश के अनुसार जारी दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन किये जाने के निर्देश दिए हैं।

गृह विभाग के निर्देश में कहा गया है कि केवल हरित श्रेणी के पटाखों के उपयोग की अनुमति होगी तथा इसके लिए समय सीमा दो घंटे रात आठ बजे से 10 बजे तक निर्धारित की गयी है।